RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 14 जून 2024 | वर्ष 06 | अंक 57 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

महाराष्ट्र में जीत से उत्साहित हैं शरद पवार, ये है उनका अगला टारगेट

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में अजित पवार से नाता तोड़ सकती है बीजेपी...

क्या गिर जाएगी शिंदे की सरकार?

अजित की इंट्री से बीजेपी की बैंड वैल्यू कम होने का दावा...

मुंबईः 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति गरमाई हुई है। दावा किया जा रहा है कि राज्य में एक बार फिर से सियासी उठा-पठक हो सकती है। विपक्ष की तरफ से महायुति सरकार पर संकट होने के दावे किए ज रहे हैं।

लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद बीजेपी आत्ममंथन की मुद्रा में है। अटकलें हैं कि बीजेपी अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी से नाता तोड़ सकती है। ऐसे में सवाल है क्या शिंदे सरकार गिर जाएगी? या फिर सरकार अल्पमत में आए जाएगी? आइए समझते हैं कि महाराष्ट्र विधानसभा की मौजूदा दलीय स्थिति कैसी है? यह भी महज संयोग है कि पिछले दो सालों से महाराष्ट्र की राजनीति सियासी उठापठक जून-जुलाई महीने सियासी उथल-पुथल वाले रहे हैं।

विधानसभा का क्या है गणित?

महाराष्ट्र राज्य विधानसभा में कुल सदस्यों की संख्या 288 है। सरकार चलाने के लिए किसी भी पक्ष के पास 145 सदस्यों का समर्थन होना जरूरी है। वर्तमान में बीजेपी और शिवसेना की अगुवाई वाली महायुति सरकार सत्ता में है। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री है और इसके अलावा बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस बीजेपी से डिप्टी सीएम हैं।

जून, 2022 में शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद एकनाथ शिंदे राज्य के 19वें मुख्यमंत्री बने थे। उन्हें बीजेपी का समर्थन मिला था, लेकिन पिछले साल 2 जुलाई को अजित पवार भी महायुति सरकार में शामिल हो गए थे। मौजूदा महायुति सरकार के पास 203 विधायकों का समर्थन है। इसमें अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के 40 विधायक हैं। ऐसे में मौजूदा शिंदे सरकार के पास बहुमत से 58 अधिक विधायकों का समर्थन है। ऐसे में सरकार पर फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

नवी मुंबई में तस्करी कर लाई गई

112 टन सुपारी जब्त!

मुंबई : सीमा शुल्क विभाग ने संयुक्त अरब अमीरात से तस्करी कर लाई गई 112 टन सुपारी जब्त की है. यह सुपारी नवी मुंबई के न्हावा-शेवा बंदरगाह पर 10 कंटेनरों में मिली थी। पिछले 10 दिनों में न्हावा-शेवा बंदरगाह से करीब 15 करोड़ रुपये कीमत की 300 मीट्रिक टन से ज्यादा सुपारी जब्त की गई है. भारत में सुपारी के आयात पर लगने वाले भारी टैक्स के कारण सुपारी की तस्करी में कुछ गिरोह सक्रिय हो गए हैं, ऐसा कस्टम विभाग को पता चला है. उस सूचना के आधार पर न्हावा-शेवा बंदरगाह में एक विशेष अभियान चलाया गया. सूचना के आधार पर बंदरगाह के कई कंटेनरों की जांच की गई. पता चला कि 10 कंटेनरों में सुपारी की तस्करी की गई थी.

टैक्स से बचने के लिए बड़ी मात्रा में सुपारी की तस्करी की जाती है। सीमा शुल्क विभाग ने पिछले 10 दिनों में न्हावा शेवा बंदरगाह से 300 मीट्रिक टन से अधिक सुपारी जब्त की है. इसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये है.

डामर के नाम पर तस्करी

मौजूदा मानसून सीजन के कारण डामर और अन्य रिसाव रोधी उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। आरोपी इसका फायदा उठाकर डामर की आड़ में सुपारी की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे यहां पान मसाला की बड़ी खपत है। कानूनी तौर पर विदेश से सुपारी आयात करने पर 110 फीसदी माल एवं सेवा कर देना पड़ता है. इससे सुपारी की कीमत भी दोगुनी हो जाती है. परिणामस्वरूप, करों से बचने के लिए बड़ी मात्रा में सुपारी की तस्करी की जाती है। सीमा शुल्क विभाग ने पिछले 10 दिनों में न्हावा-शेवा बंदरगाह से 300 मीट्रिक टन से अधिक सुपारी जब्त की है। इसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये है. उस मामले में मुख्य आरोपी मुकेश भानुशाली को गुजरात के वापी से गिरफ्तार किया गया था.

रात 11 बजे के बाद डिजिटल होर्डिंग के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई...!

मुंबईः अगर यह पाया गया कि रात 11 बजे के बाद भी डिजिटल होर्डिंग खुले हैं तो संबंधित विज्ञापन एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अत्यधिक रोशनी वाले डिजिटल होर्डिंग के कारण रात में उपद्रव की शिकायतों के बाद नगर निगम प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। रात 11 बजे के बाद डिजिटल बिलबोर्ड जारी रहा तो विज्ञापन एजेंसी की लाखों की जमा राशि जब्त हो जाएगी। मुंबई में कुल 1027 बिलबोर्ड हैं. दो साल पहले नगर पालिका ने विज्ञापन बोर्डों को डिजिटल करने की नीति अपनाई थी। मुंबई सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत विज्ञापन बोर्डों का डिजिटलीकरण शुरू हो गया था। मुंबई में अब तक ऐसे 67 डिजिटल बिलबोर्ड हैं। इन

पैनलों में टेप या लगातार बदलती तस्वीरें होती हैं। ये पट्टिकाएँ अपनी तीव्रता के कारण आकर्षक होती हैं। लेकिन कुछ सालों से इन डिजिटल बिलबोर्ड्स को लेकर शिकायतें बढ़ने लगीं। इसलिए, ऐसी शिकायतें थीं कि तेज रोशनी कष्टप्रद थी। साथ ही लगातार बदलती तस्वीरें भी ड्राइवरों का ध्यान भटकाती हैं। ऐसी शिकायतें थीं कि बिलबोर्ड के पास की इमारतों के निवासियों को परेशान किया जा रहा था। डिजिटल होर्डिंग को लेकर सख्त नियम मुंबई नगर पालिका की नई विज्ञापन नीति में शामिल किए जाएंगे और इस नीति की घोषणा जल्द ही की जाएगी। हालाँकि, इन विज्ञापन बोर्डों के संबंध में मौजूदा नियमों के अनुसार, ये बोर्ड रात 11 बजे बंद होने की उम्मीद है। हालाँकि, कई जगहों पर ये रात भर जारी रहते हैं। इसलिए नगर निगम प्रशासन ने ऐसे होर्डिंग का विज्ञापन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया है. इसके लिए मनपा ने सात सर्किलों के लिए टीमें बनाई हैं और रात 11 बजे के बाद ये टीमें मुंबई में घूम-घूमकर पता लगाएंगी कि डिजिटल बोर्ड कहां चल रहे हैं.

'महाराष्ट्र की 250 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने को तैयार रहें', MNS कार्यकताओं से बोले राज ठाकरे

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने गुरुवार को पार्टी कार्यकताओं से कहा कि वे आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 288 सीट में से 225-250 सीट पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहें। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। एक बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मनसे नेता बाला नंदगांवकर ने कहा , पार्टी पदाधिकारी राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे और चुनावी तैयारियों के बारे में ठाकरे को एक रिपोर्ट देंगे। मनसे ने लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने की घोषणा की थी। राज ठाकरे ने एनडीए के लिए प्रचार भी किया। हालांकि, उनकी पार्टी कहीं भी मैदान में नहीं थी।

नंदगांवकर ने कहा, राज ठाकरे ने पार्टी कार्यकताओं से विधानसभा चुनाव में 225 से 250 सीट पर लड़ने

के लिए तैयार रहने को कहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या मनसे भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन के साथ गठबंधन करेगी या अपने दम पर लड़ेगी, नंदगांवकर ने कहा, हम अभी इस पर कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं। हम किसके साथ बातचीत करने जा रहे हैं? उन्होंने कहा, हमें अब तक अपने दम पर चुनाव लड़ा है। हम देखेंगे कि भविष्य में क्या होता है। लेकिन अगर हमें चुनाव की तैयारी करनी है तो पार्टी का विस्तार करना होगा।

मनसे ने 2009 में लड़ा था पहला विधानसभा चुनाव

मनसे का गठन 2006 में हुआ था और उसने अपना पहला विधानसभा चुनाव 2009 में लड़ा था। इस चुनाव में उसने 13 सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, 2014 और 2019 के राज्य चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन फीका रहा और दोनों बार उसे केवल एक-एक सीट पर जीत हासिल हुई।

पार्टी के एक अन्य नेता संदीप पांडे ने कहा कि बैठक में राज ठाकरे ने कहा कि विपक्ष के महा विकास अघाड़ी को मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में नरेंद्र मोदी विरोधी वोट मिले। लेकिन मराठी क्षेत्रों में उसे ज्यादा समर्थन नहीं मिला। देशपांडे ने राज ठाकरे के हवाले से कहा, मराठी भाषी उद्धव ठाकरे से इसलिए नाराज थे, क्योंकि उन्होंने कांग्रेस और राकांपा (शरद पवार) से हाथ मिला लिया था।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

आंतरिक सुरक्षा को खतरा...

रियासी के बाद जम्मू संभाग के कठुआ और डोडा में आतंकी हमले गंभीर चिंता का कारण बनने चाहिए। ये हमले यही बता रहे हैं कि आतंकी बेलगाम होते जा रहे हैं और वे जम्मू क्षेत्र में वैसे ही हालात पैदा कर रहे हैं, जैसे एक समय उन्होंने दक्षिण कश्मीर में कर दिए थे। इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि आतंकियों ने कश्मीर के बजाय जम्मू के उन इलाकों को अपने निशाने पर ले लिया है, जो पाकिस्तान की सीमा से सटे हुए हैं। यह सामान्य बात नहीं कि आतंकियों का दुस्साहस इतना अधिक बढ़ जाए कि वे 60 घंटे के अंदर तीन जगहों पर हमले करने में समर्थ रहें। उन्होंने न केवल निर्दोष-निहत्थे लोगों को निशाना बनाया, बल्कि सुरक्षाकर्मियों को भी। उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करनी होगी। ऐसी किसी कार्रवाई के ठोस नतीजे तब हासिल होंगे, जब पाकिस्तान को भी सबक सिखाया जाएगा, क्योंकि इसमें संदेह नहीं कि उसकी शह पर ही जम्मू में आतंकी गतिविधियां बढ़ रही हैं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि दो आतंकियों को मार गिराया गया, क्योंकि यह साफ है कि जम्मू के विभिन्न इलाकों में पाकिस्तान से आए अनेक आतंकी छिपे हुए हैं। चिंता की बात केवल यह नहीं है कि जम्मू में आतंकियों की सक्रियता बढ़ रही है, बल्कि यह भी है कि देश-विदेश में भारत विरोधी तत्वों का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। एक ओर जहां पंजाब में खालिस्तान समर्थक नए सिरे से सिर उठा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, इटली आदि में भी। भारतीय प्रधानमंत्री की इटली यात्रा के पूर्व वहां खालिस्तान समर्थकों ने गांधीजी की प्रतिमा को जिस तरह खंडित किया, वह एक तरह से अलगाववादी तत्वों की ओर से भारत को दी जाने वाली सीधी चुनौती है। भारत सरकार को पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर में और अधिक सतर्कता बरतने के साथ उन देशों से भी दो टूक बात करनी होगी, जहां खालिस्तान समर्थक बेलगाम हो रहे हैं।

भारत सरकार इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकती कि लोकसभा चुनाव के पहले सार्वजनिक स्थलों पर बम रखे होने की झूठी सूचनाएं देकर दहशत फैलाने का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पहले स्कूलों में बम रखे जाने की झूठी सूचनाएं दी गईं, फिर अस्पतालों में। इसके बाद विमानों में और अब संग्रहालयों में। चिंताजनक यह है कि ऐसी झूठी सूचनाएं देकर सुरक्षा एजेंसियों का सिरदर्द बढ़ाने वाले तत्वों की पहचान नहीं हो रही है। माना जाता है कि ऐसे तत्व दूसरे देशों में छिपे हुए हैं। सच जो भी हो, भारत सरकार को आंतरिक सुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। इसलिए और भी अधिक, क्योंकि हाल के लोकसभा चुनावों में कश्मीर और पंजाब में कई ऐसे अलगाववादी तत्व चुनाव जीतने में समर्थ रहे हैं, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई में बुखार के मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा

मुंबईः जनवरी-मई के दौरान मुंबई में शीतकालीन बुखार के 1,612 मामले सामने आए। मरीजों की यह संख्या पिछले चार सालों की तुलना में सबसे ज्यादा है. इसलिए, यह बताया गया है कि राज्य सरकार और मुंबई नगर निगम द्वारा सर्दियों की गर्मी को खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयास अपर्याप्त हैं। सरकार और नगर पालिका सर्दियों की गर्मी को खत्म करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन फिर भी पिछले पांच माह में सर्दी बुखार के 1 हजार 612 मरीज मिले हैं। 2021 में मुंबई में शीतकालीन बुखार के 1,401 मामले पाए गए। तो 2022 में 893 और 2023 में 1 हजार 190 मरीज मिले। 2022 में जनवरी से मई तक की पांच महीने की अवधि के दौरान शीतकालीन बुखार के रोगियों में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, पिछले पांच महीनों में शीतकालीन बुखार के रोगियों की संख्या डेंगू, हेपेटाइटिस और चिकनगुनिया से भी अधिक है। जनवरी से मई तक पांच महीनों में डेंगू के 338, चिकनगुनिया के 21 और हेपेटाइटिस के 248 मामले सामने आए।

2021 और 2022 की तुलना में 2023 में महामारी रोगों के रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। नगर पालिका ने 2023 में रोगी पंजीकरण का दायरा बढ़ाया था। पहले 22 की बजाय सीधे 880 चिकित्सा संस्थानों में बीमारियों के मरीजों की संख्या दर्ज होने लगी। इसमें अस्पताल, क्लीनिक और चिकित्सा प्रयोगशालाएँ भी शामिल हैं। इसलिए, नगर पालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि 2023 में महामारी संबंधी बीमारियों में वृद्धि हुई है। दक्ष शाह ने कहा.

वर्ष - सर्दी - डेंगू - चिकनगुनिया - हेपेटाइटिस

1. 2021 -1401 -37 -0 -64
2. 2022 -893 -84 -04 -188
3. 2023 -1190 -356 -61 -254
4. 2024 -1612 -338 -21 -248

85 संगठनों को प्रशिक्षण

विश्व ज्वर उन्मूलन दिवस के अवसर पर नगर पालिका एवं महाराष्ट्र स्वास्थ्य विश्वविद्यालय द्वारा नायर डेंटल हॉस्पिटल में शीतकालीन ज्वर उन्मूलन हेतु एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें देश के 85 भारतीय चिकित्सा संघों के पदाधिकारियों, निजी डॉक्टरों और चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया. इसके अलावा विभिन्न विभागों के 482 डॉक्टर शामिल हैं।

विक्रोली रेलवे स्टेशन के पास तकनीकी खराबी के कारण मुख्य लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित

मुंबई : मुंबई के विक्रोली रेलवे स्टेशन के पास सिग्नल प्रणाली में गड़बड़ी के कारण बृहस्पतिवार को सुबह मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क की मुख्य लाइन पर उपनगरीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं, जिससे कई स्टेशन पर भीड़ हो गई और व्यस्त समय में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब सात बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) जाने वाली फास्ट लाइन पर सिग्नल प्रणाली में तकनीकी खराबी आने के कारण कुछ लोकल ट्रेन करीब एक घंटे तक रुकी रहीं।

मध्य रेलवे के मुंबई खंड के खंड रेलवे मैनेजर रजनीश गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया, 'विक्रोली स्टेशन के पास अप थ्रू लाइन पर कुछ तकनीकी खराबी के कारण लोकल रेलगाड़ियां रुकी हुई हैं, जिस वजह से कुछ लोकल ट्रेन निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं।'

बाद में उन्होंने कहा कि तकनीकी खराबी को सुबह 8.05 बजे ठीक कर लिया गया। यात्रियों ने कहा कि उपनगरीय सेवाएं 20 से 30 मिनट तक देरी से चल रही हैं और व्यस्त समय के दौरान ट्रेन और स्टेशन पर भीड़ बढ़ गई है। चूंकि सीएसएमटी जाने वाली फास्ट ट्रेन लंबे समय तक रुकी रहीं, इस वजह से कई यात्री पटरियों पर उतर आए और वैकल्पिक परिवहन के साधन का उपयोग करके कार्यालय पहुंचने की कोशिश करने लगे।

मुंबई में महिला को आइसक्रीम के अंदर मिला इंसान की उंगली का टुकड़ा,

मंगाई थी ऑनलाइन- फॉरेंसिक लैब भेजा

मुंबई : मुंबई से एक डराने वाला मामला सामने आया है. मुंबई के एक डॉक्टर को कथित तौर पर आइसक्रीम कोन में एक इंसान की उंगली मिली, जिसे उसकी बहन ने बुधवार (12 जून) को ऑनलाइन ऑर्डर किया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना मलाड में हुई जब एक महिला ने किराना डिलीवरी ऐपेंस्त्र३ङ्क के जरिए आइसक्रीम के साथ-साथ अन्य सामान का ऑर्डर किया. फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मलाड निवासी ओरलेम ब्रेंडन सेराओ (27) जो एक डॉक्टर हैं, उन्होंने आधी बटर स्कॉच आइसक्रीम खा ली थी, तभी उन्हें अपनी जीभ पर कुछ गड़बड़ महसूस हुई. जब उसने करीब से देखा तो उसे इसके अंदर एक इंसानी उंगली दिखी. आइसक्रीम उसकी बहन ने ऑनलाइन ऑर्डर की थी.

फॉरेंसिक जांच के लिए भेजी उंगली

सेराओ की बहन ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी. पुलिस ने अपनी शुरूआती जांच में कहा कि आइसक्रीम में इंसान की उंगली थी. पुलिस ने अब उंगली को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है. पुलिस ने कहा कि उस जगह की भी तलाशी ली जाएगी जहां आइसक्रीम का निर्माण और पैकिंग की गई थी. पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है.

एपीएमसी में नशीले पदार्थ बेचने के आरोप दो लोगों को गिरफ्तार किया गया

नवी मुंबईः नवी मुंबई पुलिस के मादक द्रव्य निरोधक दस्ते ने एपीएमसी में अभियान चलाकर नशीले पदार्थ बेचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे 131 रु. 50 ग्राम एमडी ड्रग बरामद कर जब्त कर लिया गया। इसकी बाजार कीमत 13 लाख 15 हजार है और एमडी उनके पास कहां से आई, इसकी जांच चल रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीतेन्द्र गुप्ता और भूपेन्द्र हीरानंद खंडेलवाल के रूप में हुई है। जितेंद्र स्क्रैप डीलर है और भूपेन्द्र प्रॉपर्टी ब्रोकर है। दोनों ने कम समय में ज्यादा पैसा कमाने के मकसद से दवा वितरण

का काम शुरू किया था. सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर नीरज चौधरी को सूचना मिली थी कि ये दोनों आरोपी एमडी यानी मेफेड्रोन बेचने के लिए एपीईएमसी इलाके में आएंगे. इस सूचना के आधार पर कोपरी सिग्नल के पास नाइन स्टोन होटल इलाके में जाल बिछाया गया. दो घंटे के इंतजार के बाद दोपहर करीब दो बजे आरोपी सामने आते ही दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया गया। जब उनके शरीर की तलाशी ली गई तो जितेंद्र के पास से 7 लाख 15 हजार रुपये कीमत की 71 ग्राम एमडी और भूपेंद्र के पास 6 लाख रुपये कीमत की 60 ग्राम एमडी मिली। इन दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. उक्त कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नीरज चौधरी और अजय शिंदे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक नीलेश धूमल, पुलिस उपनिरीक्षक कुलदीप मोरे नीलेश कुमार महाडिक और रंजीत जाधव सहित एक टीम ने की है.

मुंबई में घर का सपना देखने वालों के लिए गुड न्यूज...

म्हाडा बनाएगी 3600 घर, क्या होगी लोकेशन?

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई में घर खरीदने का सपना कई लोग देखते हैं। लेकिन मुंबई में घरों की कीमतें आसमान छू रही हैं और आम लोग इन्हें खरीद नहीं सकते। हालांकि महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (MHADA) किफायती घर प्रदान करता है। ऐसे में अब मुंबई में घर खरीदने का सपना देखने वालों के लिए अच्छी खबर है। म्हाडा मुंबई में 3600 घर बनाएगी और ये घर अलग-अलग आय वर्ग के लोगों के लिए उपलब्ध होंगे।

म्हाडा की वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुंबई में 3600 घर बनाने की योजना है। ये घर पवई, मागाठाणे, कन्नमवार नगर, हिल्स गोरेगांव, अंटॉप हिल में होंगे। पिछले साल म्हाडा ने अगस्त महीने में मुंबई में 4082 घरों के लिए लॉटरी निकाली थी। जबकि 4082 घर उपलब्ध थे। इन घरों के लिए 1 लाख 22 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे। अब खबर है कि 3600 मकानों के लिए लॉटरी निकाली जाएगी।

2023 में मुंबई बोर्ड की ओर से घोषित 4082 हाउस लॉटरी में से 150 घर अभी तक नहीं बिके हैं। म्हाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पिछले ड्रा के बचे हुए मकानों को प्रतीक्षा सूची के आवेदकों को आवंटित करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रतीक्षा सूची में शामिल आवेदकों को भुगतान पर घर खरीदने का एक और मौका दिया जाएगा। यदि इस अवसर के बाद भी मकान नहीं बिकते हैं तो इन मकानों को अगली लॉटरी में शामिल कर लिया जाएगा। पिछले ड्रा में 196 आवेदकों को एक से अधिक मकान मिले थे। नियमानुसार कोई भी आवेदक एक से अधिक मकान नहीं ले सकता। इसके बाद आवेदकों ने कब्जे वाले घरों को म्हाडा को वापस कर दिया।

सरकार की इस नीति के कारण बड़ी मात्रा में सरकारी जमीन हड़प ली गयी- हाई कोर्ट

मुंबई: हाई कोर्ट ने कहा निजी और सरकारी जमीन पर अवैध झुग्गीवासियों को मुफ्त आवास उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की नीति अजीब है। हाई कोर्ट ने कहा है कि सरकार की इस नीति के कारण बड़ी मात्रा में सरकारी जमीन हड़प ली गयी है. अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि मुंबई जैसा अंतरराष्ट्रीय शहर निजी और सार्वजनिक भूमि पर झुग्गियों के लिए नहीं जाना जाता अगर सरकार और योजना अधिकारियों ने निजी और सार्वजनिक भूमि पर झुग्गियों को रहने की अनुमति नहीं दी होती और उनके खिलाफ समय पर कार्रवाई की होती।

निजी भूमि पर बनी झुग्गियों को स्लम अधिनियम के तहत मान्यता मिलने के बाद, ये झुग्गीवासी सरकारी नीति के अनुसार मुफ्त आवास के लिए पात्र हैं। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की पीठ ने यह भी बताया कि यह सरकार की स्लम नीति पर आते हुए निजी या सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के लिए अवैध गतिविधियों के लिए एक प्रकार का प्रीमियम है।

पीठ ने स्लम पुनर्विकास परियोजना के लिए बांद्रा में माउंट मैरी चर्च ट्रस्ट की जमीन का एक हिस्सा लेने की मांग करने वाले स्लम प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अक्टूबर 2021 के नोटिस को रद्द करते हुए उपरोक्त टिप्पणी की। साथ ही, जोपू अथॉरिटी का चर्च की जमीन अधिग्रहण करने का निर्णय पूरी तरह से अनुचित है, जो जल्दबाजी में लिया गया है। इसलिए, अदालत ने माना कि यह अवैध था और रद्द कर दिया गया था। अदालत ने यह भी कहा कि यह एक दर्दनाक वास्तविकता है कि मुंबई में बड़ी सार्वजनिक भूमि को स्लम पुनर्विकास के नाम पर निजी डेवलपर्स को विकास के लिए दिया जा रहा है। अतिक्रमणकारियों और उनका समर्थन करने वालों द्वारा कानून को अपने हाथ में लेने से एक निजी संपत्ति के मालिक को संपत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। ऐसे मामले में, इन निजी संपत्ति धारकों के अधिकारों की रक्षा के लिए स्थिति को संभालना स्लम पुनर्वास प्राधिकरण का कर्तव्य है। इसके अलावा, जो लोग कानून को अपने हाथ में लेते हैं वे भूल जाते हैं कि कानून और अदालतों का शासन अभी भी मौजूद है। हालाँकि, अदालत ने यह भी कहा कि मुंबई को झुग्गियों के शहर के रूप में जाना जाता है क्योंकि सरकारी एजेंसियों द्वारा कानून के अनुसार कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। स्लम पुनर्विकास परियोजना के लिए चर्च की 1596 वर्ग मीटर भूमि स्लम प्राधिकरण से अधिग्रहित की जानी थी। इस फैसले को चर्च के एकमात्र ट्रस्टियों ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। याचिका के अनुसार, ट्रस्ट के स्वामित्व वाली 9,371 वर्ग मीटर भूमि में से 1,596 वर्ग मीटर पर अवैध झुग्गियों का कब्जा है। सरकारी योजनाओं और राज्य की नीतियों के अनुसार झुग्गीवासी स्थायी वैकल्पिक आवास के हकदार हैं।

भारी बारिश के कारण कल्याण डोंबिवली शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया

डोंबिवली: भारी बारिश के कारण कल्याण डोंबिवली शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया. डोंबिवली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में नालों और सीवरों की सफाई नहीं होने के कारण पहली बारिश में ही डोंबिवली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पानी भर गया। रेलवे स्टेशन क्षेत्र के रिक्शा अड्डे, बाजारों और दुकानों में सड़क का पानी घुस गया। पैदल यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए पानी से होकर गुजर रहे थे। नाले की शत प्रतिशत सफाई का दावा करने वाले कल्याण डोंबिवली मनपा प्रशासन की पोल पहली ही बारिश में खुल गई है.

लोकसभा चुनाव के दौरान चूंकि नगर निगम अधिकारी चुनाव में व्यस्त हैं, इसलिए ऐसी शिकायतें बढ़ रही हैं कि नालों और सीवरों की सफाई करने वाले ठेकेदारों ने उथला काम किया है और इसका फायदा उठाते हुए केवल बिल वसूले हैं। डोंबिवली रेल पूर्व रेलवे स्टेशन क्षेत्र सबसे व्यस्त क्षेत्र है।

नागपुर की महिला ने अपने ही ससुर की करवा दी हत्या... 300 करोड़ की संपत्ति बनी वजह

नागपुर: नागपुर से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। जिसमें पुलिस ने बताया कि कुछ दिनों पहले ''हिट-एंड-रन'' मामले में एक 82 साल के व्यक्ति की मौत का मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि यह कोई एक्सिडेंट नहीं बल्कि सोची समझी साजिश थी। मृतक की बहू ने ससुर के साथ चल रहे 300 करोड़ के संपत्ति विवाद के कारण सुपारी किलर से हत्या करवा दी।

22 मई को नागपुर के व्यवसायी पुरुषोत्तम पुत्तेवार को नागपुर के बालाजी नगरी में एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में दुर्घटना का प्रारंभिक मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद चालक को कार सहित छोड़ दिया गया था। बाद में शीर्ष पुलिस अधिकारी के हस्तक्षेप से यह पता चला कि यह कोई आम घटना नहीं थी बल्कि आरोपी अर्चना ने अपने ससुर की हत्या के लिए सुपारी किलर को 1 करोड़ रुपये देने का वादा किया था। जिसके बाद मंगलवार को पुलिस ने टाउन प्लानिंग विभाग की सहायक निदेशक अर्चना को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। उनके साथ उनके सहयोगी माइक्रो स्मॉल मीडिया एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रशांत पारलेवार और चार अन्य को भी गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि अर्चना के ऊपर पहले से ही अपने काम में अनियमितताएं के आरोप हैं। हालांकि उनके खिलाफ अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई थीं। माना जाता है कि उनके राजनीतिक संबंध काफी अच्छे हैं।

पुलिस हिरासत में आरोपी

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस पूरे घटना को अंजाम देने के लिए प्रॉपर प्लानिंग की गई थी। जिसमें अर्चना नागेश्वर और बागड़े मुख्य भूमिका निभा रहे थें। बाद में धीरे-धीरे और भी लोग शामिल होते गए। इस मामले में एक्शन लेते हुए पुलिस ने सभी आरोपियों को 15 जून तक के लिए हिरासत में भेज दिया। इस मामले में पेश होने के लिए अर्चना को गुरुवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं पुलिस द्वारा की जा रही जांच में आरोपियों के पास से दो कार, 1 एसयूवी और लगभग 150 ग्राम सोना और भी कई सामग्री बरामद किया है। इसके अलावा तीन लाख रुपये और 7 मोबाइल फोन भी जब्त की गई है।

अटलसेतु पर पुलिस के लिए एकमात्र शेल्टर शेड, कोई गश्ती वाहन नहीं होने से असुविधा

उरण: सागरी अटल सेतु पर गश्त करने वाली पुलिस के लिए शेल्टर शेड और वाहन उपलब्ध कराने की मांग एमएमआरडीए से की गयी. इसी के तहत टोल बूथ पर पुलिस के लिए एक कंटेनर की व्यवस्था की गई है. लेकिन गश्ती वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण वह इंतजार कर रहे हैं. ट्रैफिक पुलिस के अनुरोध पर शेवा परिवहन विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जी की जानकारी के अनुसार एक कंटेनर की व्यवस्था की गई है. एम.मुजावर ने दी है. नवी मुंबई और उरण को जोड़ने

वाले सागरी अटल सेतु का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 जनवरी को किया था। इस उद्घाटन को छह महीने हो गए हैं। शिवडी-न्हावा शेवा सागरी अटलसेतु का 10.4 से 19.6 किमी का हिस्सा न्हावा शेवा ट्रैफिक पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आता है और उनके पास गवन, शेलघर टोल नाका / शिवाजी नगर टोल भी शामिल हैं। इस पुल की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी न्हावा शेवा परिवहन विभाग की है.

पुल पर गश्त करते समय उरण से सीधे मुंबई जाना पड़ता है। इसलिए, इस पुल पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए उरण और मुंबई दोनों तरफ से कम से कम दो वाहनों की आवश्यकता होती है। दूसरी ओर, यातायात पुलिस को गर्मी और बरसात के मौसम में सुरक्षा के लिए आश्रय शेड की आवश्यकता होती है। गर्मी के चार महीने बीत चुके हैं और बारिश शुरू हो गई है।

ठाणे: फ्लैट की छत गिरने से एक ही परिवार के 3 लोग घायल... 100 अन्य का रेस्क्यू

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कलवा नगर में स्थित एक इमारत की दूसरी मंजिल की छत ढहने से एक बुजुर्ग दंपति और उनका बेटा घायल हो गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बुधवार रात चार मंजिला इमारत में हुई थी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ (आरडीएमसी) के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया, ''कलवा के भुसार अली इलाके में स्थित 'ओम कृष्णा कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी' में बुधवार रात 11 बज कर करीब 55 मिनट पर एक इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट की छत गिर जाने से 70 वर्षीय एक व्यक्ति, उनकी पत्नी और बेटा घायल हो गए।''

उन्होंने बताया कि यह इमारत करीब 35 साल पुरानी है और नगर निगम ने पहले ही इसे असुरक्षित, खतरनाक और न रहने योग्य की श्रेणी में रखा है। उसके अनुसार, इस इमारत को खाली करने और ध्वस्त करने की जरूरत है। तड़वी ने बताया, ''सूचना मिलने के बाद स्थानीय अग्निशमन विभाग और आरडीएमसी की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव अभियान शुरू किया।

उन्होंने इमारत के 30 फ्लैट में रहने वाले करीब 100 लोगों को बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि घायलों की पहचान मनोहर दांडेकर (70), उनकी पत्नी मनीषा (65) और बेटे मयूर (40) के रूप में हुई है। उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यासीन तड़वी ने बताया कि इस घटना के बाद इमारत को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधिकारी इमारत के संबंध में आगे की कार्रवाई करेंगे।

गौरतलब है कि, ठाणे में ही ऐसे ही 15 मई को एक फ्लैट की छत का हिस्सा गिरने से एक ही परिवार के 3 सदस्य घायल हो गये थे । यह घटना नौपाड़ा इलाके की भास्कर कॉलोनी में सात मंजिला इमारत की पहली मंजिल पर स्थित घर में सुबह घटी थी। तब इस हादसे में 3 लोग घायल हो गये थे जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कंक्रीटिंग और अन्य काम घटिया, पुलिस ने की जांच...

वसई: नायगांव पुलिस ने साबित कर दिया है कि मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर कंक्रीटिंग और अन्य काम घटिया हैं। पुलिस ने कहा है कि डिवाइडर के नष्ट होने, ढलान की कमी, बजरी के इस्तेमाल से बारिश में पानी जमा होगा और ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का कारण बनेगा. इस काम के शुरू होने के बाद से 3 महीने के अंदर दुर्घटनाओं में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है. मुंबई अहमदाबाद हाईवे पर चल रहे सीमेंट कंक्रीटिंग (व्हाइट टॉपिंग) के काम में प्लानिंग की कमी और घटिया काम के कारण हाईवे पर हादसे हो रहे हैं। बरसात से पहले जो काम होने की उम्मीद थी वह अब तक नहीं हो सका है। जो कार्य कराये गये हैं वे अधूरे एवं दोषपूर्ण हैं। इससे लगातार वाहन गिर रहे हैं और दुर्घटनाएं हो रही हैं. मार्च से मई तक की अवधि में हादसों में करीब 40

लोगों की मौत हो चुकी है। बारिश अभी तक तेज नहीं हुई है. हालांकि, नायगांव पुलिस ने भारी बारिश शुरू होते ही हाईवे के पानी में डूबने का खतरा जताया है.

इस संबंध में नायगांव पुलिस ने कहां काम घटिया और दोषपूर्ण है, कहां काम दुर्घटनाओं का खतरा है और कहां जलभराव है, इसकी रिपोर्ट तैयार कर हाईवे अथॉरिटी को सौंप दी है. पुलिस ने यह भी दशार्या है कि कैसे वाहन फिसलकर दुर्घटना का कारण बनते हैं। कांग्रेस नेता विजय पाटिल ने भी आरोप लगाया है कि हाईवे पर सीमेंट कंक्रीटिंग का काम घटिया है. उन्होंने कहा कि इससे दुर्घटनाएं और योजना की कमी हो रही है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह काम पैसे की बबार्दी है जबकि ऐसे काम की कोई जरूरत नहीं है.

प्री-मानसून का काम पूरा करने का दावा

हाईवे अथॉरिटी ने दावा किया है कि हाईवे पर बारिश का पानी जमा न हो इसके लिए हाईवे पर नालों की सफाई और पुलियों को खोलने जैसे काम पूरे कर लिए गए हैं, हाईवे पर जुचंद्र में 2, पास में 1 बॉक्स पुलिया बनाई गई है। फाउंटेन, 1 सनशाइन के पास, 1 सेल्फी ढाबा के पास हाईवे अथॉरिटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुहास चिटनिस ने बताया कि तीन पूरे हो चुके हैं और दो पर अभी काम चल रहा है। इसके अलावा कंक्रीटिंग का काम अब तक 35 फीसदी पूरा हो चुका है. मानसून के दौरान कंक्रीटिंग संभव नहीं होगी। चिटनीस ने कहा कि जहां काम अधूरा है, वहां कंक्रीटिंग पूरा करने के निर्देश ठेकेदार को दिए गए हैं।

नायगांव पुलिस द्वारा पोलखोल

1. साधना होटल के सामने कोल्ही चिंचोटी में राष्ट्रीय राजमार्ग की दोनों लेन के बीच का डिवाइडर 100 मीटर तक पूरी तरह से समतल हो गया है।
2. बापाने ब्रिज के उतराई के पास दोनों लेन के बीच का डिवाइडर बह गया है। इसलिए मुंबई से आने वाले मार्ग पर जाम लगने के बाद उस पर चलने वाले वाहन चालक विपरीत दिशा में यात्रा करते हैं।
3. बापाने ब्रिज के पास मुंबई चैनल पर सीमेंट कंक्रीटिंग का कार्य किया गया है। लेकिन इस स्थान पर नीचे जाने के लिए कोई ढलान नहीं होने के कारण बाइकें गिर रही हैं।
4. मुंबई मार्ग पर बापाने ब्रिज रैंप पर बायीं ओर ढलान तैयार करते हुए सादी मिट्टी बिछा दी गई है। इससे वाहनों के गिरने की आशंका बनी रहती है। बारिश के दौरान इस जगह पर पानी जमा हो जाएगा।
5. जय विजय इंडस्ट्रीज के सामने हाईवे के नीचे पानी ले जाने के लिए अंडरपास का काम चल रहा है, इसलिए डामर बिछाया गया है। ऐसे में वाहन फंस रहे हैं। इसके अलावा काम अधूरा होने से बारिश का पानी जमा होने की आशंका है
6. मानसून सीजन के दौरान वास्मार्या ब्रिज के नीचे और यादव होटल के सामने सीमेंट कंक्रीटिंग का काम शुरू किया गया है। कीचड़ हो रहा है. अंडरपास का काम अधूरा है
7. होटल सनशाइन के सामने वाटर अंडरपास का काम अधूरा है और सड़क पर कच्चा डामर बिछा दिया गया है। इससे भारी वाहनों के फंसने के साथ ही जलजमाव और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है.
8. मालजीपाड़ा उतराई पर जहां दोनों तरफ कंक्रीट का काम किया गया है, वहां ढलान नहीं है और वाहन तेजी से गिर रहे हैं। पुल के नीचे पानी जमा होने और इस जगह पर बड़ा ट्रैफिक जाम लगने की आशंका है.
9. ससूनवघार पुल पर कंक्रीटिंग के लिए सीमेंट, रेत डाला गया है. यह कार्य अभी भी प्रगति पर है. इस पुल के नीचे पानी जमा होने की आशंका है.
10. न्यू फाउंटेन होटल, जे.के. टायके कंपनी के सामने वाटर अंडरपास का काम चल रहा है और कच्चा डामर बिछाया गया है। इसलिए यातायात की समस्या, दुर्घटनाएं और जलजमाव की आशंका है
11. होटल मटका के आसपास जलजमाव की अधिक संभावना है और चूंकि पानी अंडरपास से पूरी तरह नहीं गुजर पाएगा, इसलिए इस जगह पर जलजमाव के कारण यातायात की समस्या उत्पन्न हो सकती है.
12. होटल जलाराम और मालजीपाड़ा पुल के नीचे पूरा डामरीकरण क्षतिग्रस्त हो गया है और उक्त पानी ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने कसी कमर, पीयूष गोयल ने कार्यकताओं को दिया मंत्र

मुंबई : देश में लोकसभा चुनाव होने के बाद साल के आखिरी में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने है। जिसे लेकर सभी राजनीतिक दलों ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कार्यकताओं को कमर कसने की नसीहत दी है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारी के मद्देनजर पार्टी व्यवस्था की खामियों को दूर करने के लिए पार्टी कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। गोयल ने लोकसभा चुनावों में मतदाताओं की ठंडी प्रतिक्रिया के मद्देनजर लोगों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने बुधवार देर शाम एक सार्वजनिक समारोह के दौरान कहा कि, ''मुझे विश्वास है कि विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की व्यवस्था बेहतर होगी। अगर हम अभी से प्रयास करना शुरू कर देते हैं, तो अगले 3 से 4 महीनों के भीतर होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले कोई कमी नहीं रहेगी।''

कार्यकताओं को दिया मंत्र

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हमें लोगों को फिर से मतदान के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। अपने लोकसभा क्षेत्र को लेकर पीयूष गोयल ने कहा कि इस बार हमें मुंबई-उत्तर लोकसभा सीट के अंतर्गत सभी छह विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करनी है। जिसके लिए उन्होंने कार्यकताओं से वोटर्स को प्रोत्साहित करने की बात कही है। भाजपा ने 2019 के विधानसभा चुनावों में मुंबई-उत्तर लोकसभा सीट के तहत छह विधानसभा क्षेत्रों में से चार में जीत दर्ज की थी, जबकि शिवसेना और कांग्रेस को एक-एक सीट मिली थी। पार्टी में विभाजन के बाद एक शिवसेना विधायक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो गये थे। गौरतलब है कि पीयूष गोयल ने इस बार हुए लोकसभा चुनाव में मुंबई-उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से 3,56,996 मतों के प्रभावशाली अंतर जीत हासिस की। मोदी सरकार 3.0 में पीयूष गोयल को वाणिज्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। इसके बाद अब विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कमर कस ली है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उम्मीद मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया है। राज्य में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 48 में से 25 सीटों पर लडकर 23 सीटों पर जीत हासिल की थी तो वहीं 2024 में भाजपा को सिर्फ 9 सीटें ही मिली।

महाराष्ट्र में जीत से उत्साहित हैं शरद पवार, ये है उनका अगला टारगेट

पुणे : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद पवार के प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह विधानसभा चुनाव के पहले कुछ खास फैसले लेंगे, ताकि साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत कर सकें। हाल में संपन्न आम चुनावों में शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) ने महाराष्ट्र में लोकसभा की दस सीट पर चुनाव लड़ा था और आठ पर जीत हासिल करके प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पवार की पुत्री और राकांपा (एसपी) उम्मीदवार सुप्रिया सुले ने अपने चचेरे भाई अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को हराकर बारामती सीट पर लगातार चौथी बार जीत हासिल की।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही

शरद पवार बारामती में लोगों से मिल रहे हैं और राज्य विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहे हैं। बारामती के शिरसुफल गांव में लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान बारामती निर्वाचन क्षेत्र के लोग चुप रहे। उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी के पदाधिकारी मुझसे कहते थे कि बारामती के लोग चुप हैं और वह खुलकर कुछ भी नहीं कह रहे हैं। मैंने उनसे कहा कि चिंता न करें क्योंकि भले ही यहां कि जनता कुछ नहीं कह रही हो, लेकिन वे बटन (ईवीएम में) सही दबाएंगे। और अंत में वही हुआ। जैसे ही ईवीएम खुलीं, जादू दिखा क्योंकि आप लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया।'' नजदीक आते हुए राज्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शरद पवार ने लोगों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा, ''अगले तीन या चार महीने में राज्य विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मेरा प्रयास राज्य की कमान संभालने का होगा और इसे हासिल करने के लिए हमें विधानसभा चुनाव जीतना होगा।'' शरद पवार ने इस दौरान याद दिलाया कि वह चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, एक दशक तक केंद्रीय कृषि मंत्री और दो साल तक रक्षा मंत्री रह चुके हैं।

पनवेल बस आगर के पास खतरनाक विज्ञापन बोर्डों के खिलाफ कार्रवाई...!

पनवेल: पनवेल नगर निगम के आयुक्त द्वारा पनवेल बस आगर के पास खतरनाक स्थिति वाले विज्ञापन बोर्डों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश के बाद मंगलवार को बोर्ड को हटा दिया गया। नगर पालिका द्वारा अब तक नगर पालिका के चारों वार्डों में लगे 33 अनाधिकृत होर्डिंग में से 21 अनाधिकृत होर्डिंग को ध्वस्त कर दिया गया है. मुंबई के घाटकोपर में होर्डिंग की घटना के बाद पनवेल नगर निगम ने खतरनाक होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई को लेकर कड़ा रुख अपनाया है. पिछले सप्ताह शनिवार को मनपा आयुक्त मंगेश चितले द्वारा

विभागवार की गई समीक्षा बैठक में शेष बोर्डों का तत्काल सर्वेक्षण कराने का सुझाव दिया गया था. इस सर्वे में बेहद खतरनाक बोर्ड को तोड़ने के निर्देश दिए गए. इस सर्वे में पनवेल के बस स्टैंड और होटल दत्त इन के पास लगे होर्डिंग पिछले कुछ दिनों से जंग लगी हालत में थे. करीब 40 फीट ऊंचे होर्डिंग खतरनाक हो गए थे। यह इलाका काफी भीड़भाड़ वाला इलाका है. प्रतिदिन हजारों नागरिक बस स्टेशन से यात्रा करते हैं। लेकिन कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते यहां कार्रवाई नहीं हो सकी। नगर पालिका की अतिक्रमण विरोधी टीम के प्रमुख उपायुक्त मारुति गायकवाड़ के मार्गदर्शन में तकनीकी कठिनाइयों पर काबू पाने के बाद आखिरकार होर्डिंग को हटा दिया गया. इस अवसर पर नगर निगम के प्रभागीय अधिकारी रोशन माली, क्षेत्रीय अभियंता संकेत कोचे, तुषार कामटेकर एवं अतिक्रमण विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे.

पनवेल: यात्रियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी; बस यात्राएं बढ़ाने की मांग

पनवेल: करंजडे कॉलोनी में घर खरीदने वाले निवासी ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। सिडको निगम ने निजी डेवलपर्स को यहां भवन बनाने के लिए अधिभोग प्रमाण पत्र दे दिया है, लेकिन इस क्षेत्र में अब तक पानी, परिवहन के लिए बसें जैसी सुविधाएं शुरू नहीं होने से नागरिक परेशान हैं। नवी मुंबई नगर निगम की परिवहन गतिविधि सेवा की बस सेवा संख्या 76 पनवेल रेलवे स्टेशन से करंजडे तक चलती है। हालाँकि, इस बस की यात्राओं की संख्या कम होने के कारण, रात के समय पनवेल रेलवे स्टेशन के बाहर यात्रियों की भारी भीड़ देखी जाती है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com